।। श्री पितरेश वन्दना ।।

आओ जी आओ, घर का देव मनावाँ,
पितरां के धोक लगावाँ जी, घर का देव मनावाँ ।।
टेर ।।

पितरां के नाम क़ो गूंजै जयकारौ,
पितरां न पूजॉ हाँ जी भाग्य हमारो ।
पेण्डा मेँ दिवलो जलावा ज़ी, घर का देव मनावाँ ।।

जय-जय-जय-जय पितरजी हो थारी,
थारी ही शरण आया, लाज राखो म्हारी ।
थारो ही आशीर्वाद चाहवां जी, घर का देव मनावाँ ।।

पितरां के नाम को नारियल पधाराँ,
रवि कहे सगला ही, कारज सुधाराँ ।
प्रचार मण्डल सागै, गावाँ जी, घर का देव मनावाँ ।।

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com